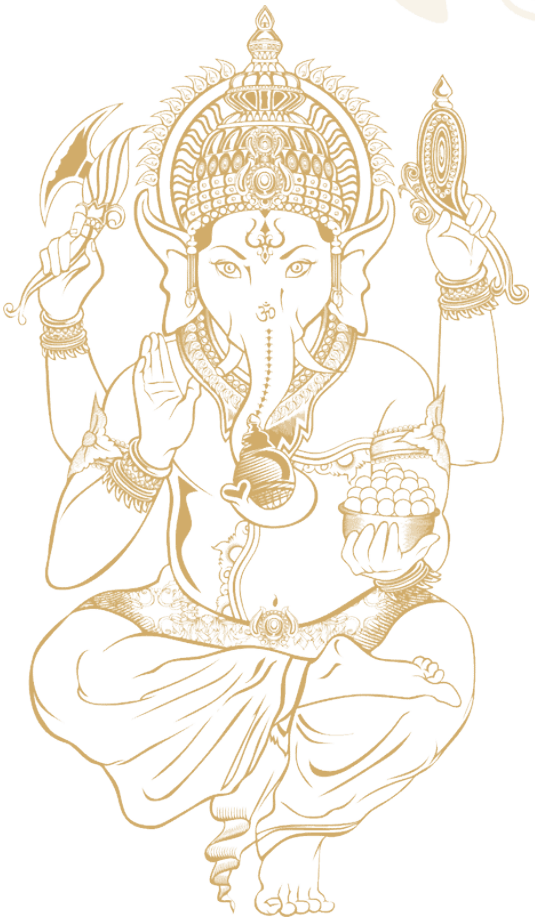

05 Jan 2024

02:10 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121408811

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/01/2024**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**02:10:00 घंटे**
इष्ट	47:18:01 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:48:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:37 घंटे
साम्पातिक काल	08:44:42 घंटे
सूर्योदय	07:14:47 घंटे
सूर्यास्त	17:37:07 घंटे
दिनमान	10:22:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:47:00 धनु
लग्न के अंश	11:45:18 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:45:18	310:13:46	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			धनु	19:47:00	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	27:40:12	12:07:44	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	05:59:09	00:44:40	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	28:31:21	00:22:29	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	11:25:45	00:00:59	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	13:07:26	01:13:11	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि			कुंभ	09:24:09	00:05:34	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मीन	26:45:53	00:00:02	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	26:45:53	00:00:02	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	25:06:51	00:01:08	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप			मीन	00:56:43	00:01:00	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो			मक	05:17:15	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			कर्क	14:33:16	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:27

लग्न-चलित

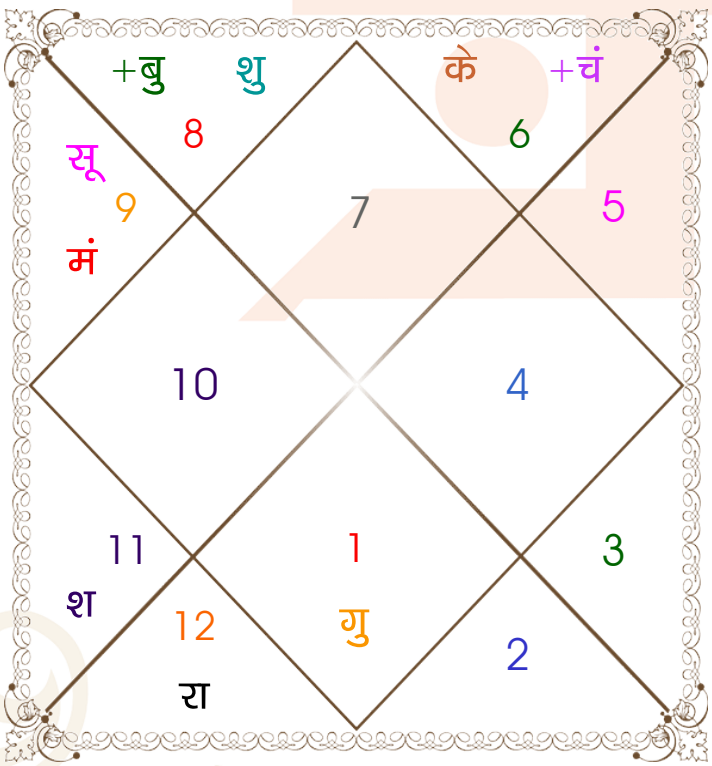

चन्द्र कुंडली

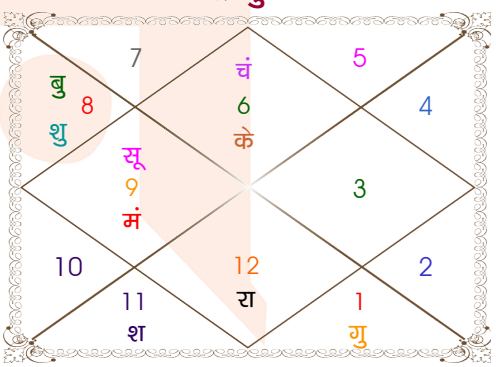

नवमांश कुंडली

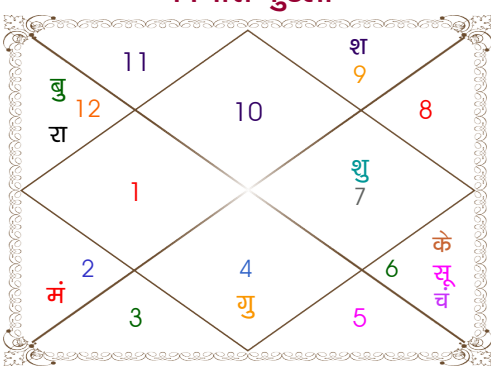

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 8 मास 20 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/01/2024		25/09/2028		25/09/2046		25/09/2062		25/09/2081	
25/09/2028		25/09/2046		25/09/2062		25/09/2081		25/09/2098	
	00/00/0000	राहु	08/06/2031	गुरु	12/11/2048	शनि	28/09/2065	बुध	22/02/2084
	05/01/2024	गुरु	01/11/2033	शनि	27/05/2051	बुध	07/06/2068	केतु	18/02/2085
गुरु	16/02/2024	शनि	06/09/2036	बुध	01/09/2053	केतु	17/07/2069	शुक्र	20/12/2087
शनि	26/03/2025	बुध	27/03/2039	केतु	08/08/2054	शुक्र	16/09/2072	सूर्य	25/10/2088
बुध	24/03/2026	केतु	13/04/2040	शुक्र	08/04/2057	सूर्य	29/08/2073	चंद्र	27/03/2090
केतु	20/08/2026	शुक्र	14/04/2043	सूर्य	25/01/2058	चंद्र	30/03/2075	मंगल	24/03/2091
शुक्र	20/10/2027	सूर्य	08/03/2044	चंद्र	27/05/2059	मंगल	08/05/2076	राहु	10/10/2093
सूर्य	25/02/2028	चंद्र	07/09/2045	मंगल	02/05/2060	राहु	15/03/2079	गुरु	16/01/2096
चंद्र	25/09/2028	मंगल	25/09/2046	राहु	25/09/2062	गुरु	25/09/2081	शनि	25/09/2098

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/09/2098		26/09/2105		26/09/2125		26/09/2131		26/09/2141	
26/09/2105		26/09/2125		26/09/2131		26/09/2141		00/00/0000	
केतु	21/02/2099	शुक्र	25/01/2109	सूर्य	14/01/2126	चंद्र	27/07/2132	मंगल	22/02/2142
शुक्र	24/04/2100	सूर्य	26/01/2110	चंद्र	15/07/2126	मंगल	25/02/2133	राहु	13/03/2143
सूर्य	29/08/2100	चंद्र	26/09/2111	मंगल	20/11/2126	राहु	27/08/2134	गुरु	06/01/2144
चंद्र	30/03/2101	मंगल	26/11/2112	राहु	15/10/2127	गुरु	27/12/2135		00/00/0000
मंगल	27/08/2101	राहु	26/11/2115	गुरु	02/08/2128	शनि	27/07/2137		00/00/0000
राहु	14/09/2102	गुरु	27/07/2118	शनि	15/07/2129	बुध	27/12/2138		00/00/0000
गुरु	21/08/2103	शनि	26/09/2121	बुध	21/05/2130	केतु	28/07/2139		00/00/0000
शनि	29/09/2104	बुध	27/07/2124	केतु	26/09/2130	शुक्र	27/03/2141		00/00/0000
बुध	26/09/2105	केतु	26/09/2125	शुक्र	26/09/2131	सूर्य	26/09/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 8 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।